डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

<u>डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड</u>

नई दिल्ली, 15.09.2017

<u>प्रेस रिलीज़</u>

<u>डीएफसीसीआईएल में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन</u>

(हिंदी में सराहनीय कार्य करने के लिए पुरस्कार प्रदान करते हुए प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा)

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दिनांक 01 से 14 सितंबर 2017 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान हिंदी निंबध, हिंदी टिप्पण, शब्द एवं सामान्य ज्ञान एवं राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हिंदी पखवाड़े का समापन दिनांक 14.09.2017 हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। श्री अंशुमान शर्मा- प्रबंध निदेशक, श्री एच. डी. गुजराती- निदेशक/ परिचालन एवं व्यवसाय विकास एवं श्री डी.

एस. राणा- निदेशक अवसंरचना ने विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री ए. के. सिंह ने माननीय रेल मंत्री द्वारा जारी हिंदी संदेश का वाचन किया तथा प्रबंध निदेशक ने आधिकारिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) रेल मंत्रालय के अधीन स्थापित एक विशेष प्रयोजन संस्था है, जो ऐसे कोरीडोरों का निर्माण कर रही है, जिन पर केवल माल गाड़ियों का संचालन होगा। डीएफसीसीआईएल पहले चरण में पूर्वी और पश्चिमी कोरीडोरों के नियोजन, निर्माण, परिचालन और रख-रखाव का कार्य कर रहा है। 1856 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई स्थित जवाहर लाल नेहरू पोर्ट के बीच बन रहे पश्चिमी कोरीडोर की लंबाई 1504 किलोमीटर है।

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लुधियाना से शुरू होकर कोलकाता के पास डानकुनि पर समाप्त होगा। यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से गुज़रेगा। जबकि, पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर दादरी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (मुंबई) पर समाप्त होगा। यह कोरीडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुज़रेगा।

पश्चिमी कोरीडोर का निर्माण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) एवं पूर्वी कोरीडोर में लुधियाना से मुग़लसराय सेक्शन का निर्माण विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण से किया जा रहा है।

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थ

राजेश खरे

उप-महाप्रबंधक

जन संपर्क

डीएफसीसीआईएल

सोशल मीडिया पर हमसे जुड़ें-

www.facebook.com/dfccil.india,

www.twitter.com/dfccil_india

www.youtube.com/dfccilindia